MEDIA COVERAGE
SEPTEMBER, 2022

TIMES OF INDIA
09.09.2022

INDORE

THE TIMES OF INDIA, INDORE
FRIDAY, SEPTEMBER 9, 2022

TIMES CITY

Indore Metro Trial Run In Sept 2023

Metro Rail Service To Be Launched Simultaneously In Indore & Bhopal

Indore: The first trial run of Indore Metro train will be held in September, 2023. An announcement in this regard was made by the Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited (MPMRCL) authorities at a meeting with public representatives in Indore on Thursday.

"We are going to have the trial run of the Metro train in Indore in September, 2023. This trial run will be organized on the 5.9km long super priority corridor between Gandhi Nagar and Super Corridor," MPMRCL's managing director Nikunj Shrivastava told the media after the meeting.

STATIONS ON THE ROUTE

ELEVATED		UNDERGROUND
Rajwada	Bada Ganpati	Airport
Chhota Ganpati	Ramchandra Nagar	BSF

Shrivastava said that the commercial run of the Metro train will however take some time. "We aim to launch Metro service in both Indore and Bhopal simultaneously," he said.

MPMRCL authorities in the meeting, which was attended by Indore MP Shankar Lalwani, mayor Pushyamitra Bhargav, MLAs Akash Vijayvargiya, Ramesh Mendola and others, also informed about changes proposed in four new stations of Metro rail between Gandhi Hall and Kalani Nagar.

As per the previous plan, six out of 29 Metro stations were planned to be underground, while others to be elevated. However, considering technical challenges and increased cost, MPMRCL authorities proposed a plan for making four of the six stations above the ground.

"Four kilometer long section between Rajwada and Ramchandra Nagar was earlier planned underground. We now plan to change it to an elevated section. This will not only reduce the cost involved, but also save a lot of time in construction," officials claimed.

They claimed that this change will reduce rehabilitation/relocation requirements and save many properties from getting affected, they added.

Officials in the meeting also informed that the main depot of Indore Metro train has been planned at 26.25 hectare area in Gandhi Nagar. This main depot will have three tracks and allow movement of metro trains in both directions. As many as 28 trains could be parked at the depot and will also have provision for maintenance, they added.

PATRIKA
09.09.2022
INDORE

9/9/22, 10:39 AM https://epaper.patrika.com/Home/PrintArticle?OrgId=999cd707a6

पत्रिका

Indore City, 09/09/2022, Page 05

गांधी हॉल से बीएसएफ गेट तक अब एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक

बड़ी तोड़फोड़ से बचने के लिए अंडर ग्राउंड ट्रैक का प्लान बदला, कृष्णपुरा ब्रिज पर बनेगा आकर्षक स्टेशन

- **नए प्लान के अनुसार :** 31.2 किमी के रिंग रूट में 27.9 किमी एलिवेटेड वायडक्ट और 3.21 किमी अंडर ग्राउंड ट्रैक होगा
- **स्टेशन...** 27 जमीन पर, 2 बीएसएफ व एयरपोर्ट बनेंगे अंडर ग्राउंड, निर्माण के लिए एमजी रोड दो साल रहेगा ब्लाक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. शहर में मेट्रो रेल के रिंग रूट को लेकर जन प्रतिनिधियों ने गुरुवार को अहम फैसला लिया। अब गांधी हॉल से बीएसएफ गेट तक अंडर ग्राउंड रूट के स्थान पर प्रस्तावित एलिवेटेड रूट बनाए जाएंगे। यह रूट एमजी रोड पर गांधी हॉल से राजबाड़ा, मल्हारगंज, बड़ा गणपति होते हुए कालानी नगर चौराहे तक एलिवेटेड रहेगा। बीएसएफ के सामने से अंडर ग्राउंड होगा। इस तरह शहर के पहले रिंग रूट में अब मात्र 2 स्टेशन बीएसएफ व एयरपोर्ट ही अंडर ग्राउंड रहेंगे। 27 स्टेशन एलिवेटेड बनेंगे।

गुरुवार को मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने इंदौर के जनप्रतिनिधियों के समक्ष एमजी रोड पर एलिवेटेड मेट्रो ट्रैक का प्रेजेंटेशन दिया। पूर्व में हुई बैठक में जनप्रतिनिधियों ने कहा था, अंडर ग्राउंड रूट में बड़ी तोड़फोड़ होगी। लोग मेट्रो से जिन बाजारों के लिए आएंगे, वे ही नहीं रहेंगे तो मेट्रो का औचित्य नहीं रहेगा। इसलिए इसके और विकल्प पर विचार किए जाए। इसी आधार पर अफसरों ने विभिन्न विकल्पों पर विचार करके एमजी रोड पर एलिवेटेड ट्रैक का प्रस्ताव बनाया, जिसको हरी झंडी मिल गई। बैठक में सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आइडीए अध्यक्ष जयपालसिंह चावड़ा, विधायक महेन्द्र हार्डिया, नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे, मधु वर्मा व सुदर्शन गुप्ता सहित अन्य प्रतिनिधि अधिकारी मौजूद थे।

एलिवेटेड करने से शहर को कई फायदे होंगे। मध्य शहर में तोड़ फोड़ नहीं होने से पुराना शहर की रौनक बनी रहेगी। इससे लागत में करीब 600 से 800 करोड़ रुपए की राशि की बचत होगी। प्रोजेक्ट भी समय पर पूरा हो सकेगा।

दिसंबर से 8 लांचर करेंगे काम

बैठक में मेट्रो रेल के एमडी निकुंज श्रीवास्तव, प्रोजेक्ट डायरेक्टर अजय कुमार व टेक्निकल डायरेक्टर शोभित टंडन, जीएम बीएम चौहान ने प्रेजेंटेशन दिया। इसमें वर्तमान प्रोजेक्ट के सिविल वर्क की समीक्षा और नया अलाइनमेंट बताया गया। बताया गया, सिविल वर्क करीब 26 प्रतिशत पूरा हो चुका है। डिपो और स्टेशन का भी काम शुरू हो गया है।

अब बनेगी डीपीआर

31.2 किमी के इस रूट में 28 किमी मेट्रो जमीन के ऊपर चलेगी, जबकि महज 3.2 किमी ही अंडर ग्राउंड ट्रैक रहेगा। यह भी तय हुआ कि एलिवेटेड रूट को विभिन्न चौराहों के आसपास के पिलर्स को अतिरिक्त मजबूत बनाएंगे, जिससे जरूरत होने पर इन पर से डबल डेकर ब्रिज बनाए जा सकें। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन अब इसकी डीपीआर तैयार कर टेंडर व अन्य कार्य शुरू करेगा। एलिवेटेड ट्रैक बनने से तोड़फोड़ में भी कमी आएगी। पहले 217 स्ट्रक्चर पूरे या आंशिक रूप से टूट रहे थे, अब 164 ही टूटेंगे। इससे लागत में भी कमी आएगी।

नेताओं के सवाल अफसरों के जवाब

जनप्रतिनिधियों ने अफसरों से पूछा- एमजी रोड की चौड़ाई ट्रैक के लिए पर्याप्त रहेगी?

अधिकारियों ने बताया, एमजी रोड की चौड़ाई 60 फीट है। मेट्रो ट्रैक की चौड़ाई 27 से 30 फीट होती है, इसलिए दोनों ओर भवनों से 15-15 फीट दूरी रहेगी।

बनाने में परेशानी तो नहीं आएगी?

अधिकारियों ने कहा, जेल रोड व मराठी स्कूल के सामने कुछ जगह कम है। यहां काम करने में थोड़ी दिक्कत आएगी।

राजबाड़ा व भवनों के करीब से मेट्रो गुजरेगी तो ध्वनि प्रदूषण होगा, वायब्रेशन से भवनों को नुकसान होगा क्या?

अधिकारियों ने बताया, इसके लिए ऐसी तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे आवाज और वायब्रेशन में कमी आएगी। भवन व राजबाड़ा ज्यादा प्रभावित नहीं होंगे। तोड़फोड़ भी कम करना पड़ेगी।

RAJ NEWS NETWORK

09.09.2022

INDORE

बैठक अब मात्र 2 स्टेशन ही अंडर ग्राउंड , 2.3 किमी ट्रैक, पहले था 7.5 किलोमीटर का ट्रैक, सांसद इंदौर की अध्यक्षता में बैठक

प्रायोरिटी कॉरिडार के तहत इंदौर मेट्रो के निर्माण कार्यों की समीक्षा

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

इंदौर मेट्रो के तहत लगभग 17.5 किमी प्रायोरिटी कॉरिडार के निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर मेट्रो के अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया गया। सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में इंदौर में मेट्रो के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई एवं विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें मेट्रो से संबंधित प्रत्येक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान प्रायोरिटी कॉरिडोर के आगे के पूरे फेज.1 को लेकर भी प्रस्तुतिकरण दिया गया बैठक में मेट्रो के तहत 6 अंडरग्राउंड स्टेशन के मौजूदा प्रस्ताव में परिवर्तन करने पर सुझाव दिया गया। जिसके तहत लगभग 2.3 किमी अंडरग्राउंड करने पर प्रस्तुतिकरण दिया गया जो कि पहले लगभग 7.5 किमी था। इसके तहत केवल 2 स्टेशन ही अंडरग्राउंड होंगे बाकी अन्य स्टेशन राजवाड़ाए छोटा गणपतीए बड़ा गणपती एवं रामचंद्र नगर स्टेशन को ऐलिवेटेड करने पर सुझाव दिया गया। इस पर विस्तृत चर्चा हुई एवं बताया गया कि अंडरग्राउंड कार्यों के लिए भूमि की उपलब्धता महत्वपूर्ण होती है और यह सब भीड़.भाड़ वाला क्षेत्र जिससे आमजन को कोई परेशानी ना हो इसके लिए ऐलिवेटिड कॉरिडोर करने पर सुझाव दिया गया एवं इस कार्य पर काम और तेजी से होगा एवं लागत भी कम आऐगी।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने भी अपने सुझाव दिए एवं इस प्रस्ताव पर सहमति जताई और अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रायोरिटी कॉरिडोर में ट्रायल रण का लक्ष्य तय समय जो कि सितंबर 2023 रखा गया है उसे पूर्ण करें। इसी दौरान उन्होनें निर्माण कार्यों में कान्ट्रैक्टर को आ रही कठिनाइओं ओर परेशानियों को भी सुना एवं उनका तुरंत निदान करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए एवं निर्माण कार्यों में गति लाएं ताकि तय समय में काम पूरा हो।

इस मौके पर उनके साथ इंदौर शहर के मेयर पुष्यमित्र भारगवए इंदौर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा, गौरव रणदीवे, बीजेपी अध्यक्ष, राजेश सोनकर,बीजेपी अध्यक्ष ग्रामीण, विधायक महेंद्र हार्डिया,आकाश विजयवर्गीय रमेश मेंदौला, सुदर्शन गुप्ता, मधु वर्मा, निकुंज कुमार श्रीवास्तव, प्रबंध संचालक और मेट्रो के वरिष्ठ अधिकारी अजय शर्मा, निदेशक परियोजना, शोभित टंडन, अतिरिक्त निदेश तकनीकी एवं अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

NAI DUNIYA

09.09.2022

INDORE

नईदुनिया

नई सोच, नया अंदाज

इंदौर, भोपाल (नवदुनिया), जबलपुर, ग्वालियर, रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

मजार 15

सेट से उठाकर 'स्टूपिड' को घर ले गईं रश्मिका 12

शहर के मध्य में अब एलिवेटेड रहेगा मेट्रो का ट्रैक

नईदुनिया लाइव

मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी के साथ बैठक में जनप्रतिनिधि बोले- अगले साल चुनाव है, जनता को बताना होगा कि मेट्रो हमने चलवाई

29 मेट्रो स्टेशन में से केवल दो स्टेशन ही भूमिगत रहेंगे अब

फायदा : इससे शहर में कम तोड़फोड़ होगी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। हमारा प्रयास है कि इंदौर और भोपाल में मेट्रो ट्रेन का काम एक साथ पूरा हो। अगले साल सितंबर तक मेट्रो का ट्रायल रन किया जाएगा। मेट्रो प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों ने जब यह बताया तो इस पर जनप्रतिनिधियों एक मत में कहा कि अगले साल चुनाव है। इसके पहले ट्रायल होना चाहिए। हमें जनता को बताना है कि हमने शहर में मेट्रो चलवा दी है। इधर, शहर के व्यापारी संगठनों की जीत हो गई है, उनके लगातार विरोध का ही असर है कि शहर के मध्य में अब मेट्रो का स्वरूप एलिवेटेड रहेगा, जबकि पहले यह भूमिगत थी। अब शहर में बनने वाले 29 मेट्रो स्टेशन में से केवल दो स्टेशन ही भूमिगत रहेंगे। इससे शहर में कम तोड़फोड़ होगी।

गुरुवार को मेट्रो रेल कार्पोरेशन के एमडी निकुंज श्रीवास्तव इंदौर आए। उन्होंने दोपहर में मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों के साथ बैठक ली। इसके बाद जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक ली। इसमें मेट्रो के दूसरे चरण को लेकर चर्चा हुई। जनप्रतिनिधियों को मेट्रो के दूसरे चरण को लेकर प्रेजेंटेशन भी दिया गया। बैठक में बताया गया कि शहर में 31.5 किलोमीटर के मेट्रो कारिडोर में कुल 29 मेट्रो स्टेशन बनने वाले हैं।

अब यह रहेगा रूट

मेट्रो रेडिसन से बंगाली चौराहा होते हुए पलासिया आएगी। इसके बाद यह एमजी रोड से गांधी हाल होते हुए सीधे निकल जाएगी। बड़ा गणपति से होते हुए यह लाइन रामचंद्र नगर चौराहे के यहां पहुंचेगी। यहीं से मेट्रो का स्वरूप भूमिगत हो जाएगा, जो एयरपोर्ट के सामने होते हुए सीधे गांधी नगर पहुंच जाएगी। वहां से सुपर कारिडोर होते हुए वापस आ जाएगी।

अगले साल तक ट्रायल रन... लेकिन यात्रियों को अभी सफर के लिए करना होगा इंतजार

बैठक में मेट्रो प्रोजेक्ट के अधिकारियों ने बताया गया कि पहले छह मेट्रो स्टेशन, जो गांधी हाल से सुपर कारिडोर तक थे। उन्हें भूमिगत रखा जाना था, लेकिन अब इसमें परिवर्तन किया जा रहा है, अब केवल बीएसएफ के सामने वाला और एयरपोर्ट के सामने वाला स्टेशन ही भूमिगत रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले साल तक हम ट्रायल रन कर लेंगे, लेकिन अभी यात्रियों को इसमें सफर करने के लिए इंतजार करना होगा।

यह हुआ तय

- एमजी रोड पर इमारतें पास में हैं। यहां मेट्रो के एलिवेटेड स्वरूप में इमारतों में कंपन हो सकता है। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग होगा।
- कृष्णपुरा का पुल जर्जर हो गया है। यहां पर नया पुल बनाया जाएगा।
- मेट्रो में एंड टू एंड साल्यूशन मिलेगा, जिसमें यात्री एक स्टेशन से मेट्रो में सवार होगा तो वापस घूमकर उस स्टेशन पर आ सकेगा।
- डिपो में 28 ट्रेन खड़ी करने और उनके मेंटेनेंस की सुविधा होगी। दोनों ओर से ट्रेन इसमें आ जा सकेगी।

बैठक में शामिल सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव व अन्य। • नईदुनिया

बैठक में जनप्रतिनिधियों ने रखी अपनी-अपनी बात

- **आकाश विजयवर्गीय**- मेट्रो का मतलब तो भूमिगत होता है, अगर एलिवेटेड ही बनाना है तो इस पर बस चला दें। कम खर्च में काम हो जाएगा। बंगाली चौराहे के यहां पर अगर रास्ता पीथमपुर वाली मेट्रो लाइन आएगी तो उसे यहां कैसे मिलाया जाएगा।
- **रमेश मेंदोला** - मेट्रो स्टेशनों के नाम निजी संस्थानों के नाम पर न हों। एक बार जो नाम पड़ गया वही प्रचलन में आ जाएगा।
- **सुदर्शन गुप्ता** - मेरे इलाके में मेट्रो भूमिगत ही रखी जाए।
- **पुष्यमित्र भार्गव**- एमजी रोड पर एलिवेटेड मेट्रो का काम चलेगा तो यहां का ट्रैफिक करीब डेढ़ साल बंद रहेगा। इससे लोगों को तकलीफ होगी। उनके लिए दूसरा विकल्प भी रखा जाए।
- **शंकर लालवानी**- कृष्णपुरा पुल के यहां पर मेट्रो स्टेशन के पास हैंगिंग रेस्त्रां बनाया जाए। यहां पर नदी है। लोग नदी को देखते हुए खाना खा सकेंगे। एयरपोर्ट का स्टेशन एयरपोर्ट पास नजदीक हो, जिससे यात्री सीधे टर्मिनल में प्रवेश कर जाए, तभी मेट्रो का होना सार्थक होगा।
- **गौरव रणदिवे**- हमारे विधायकों को मेट्रो के बारे में पता नहीं रहता है, इस तरह की बैठक हर थोड़े दिन में हो, जिससे उन्हें प्रगति के बारे में पता चल सकेगा।

05
FREE PRESS JOURNAL
22.09.2022
INDORE

Indore Metro aims to quickly finish work at Radisson Square

Number of workers increased substantially

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The work of Indore Metro is going on at a good pace and to complete the work at the Radisson Square as fast as possible the number of workers engaged in construction work here has been increased substantially.

This has been done to ensure that the traffic flow remains unaffected as far as possible, especially as there is a curve on the track at this spot.

According to information, the Metro track construction agency has installed one segment launcher along the track.

According to Metro officials work from Radisson Square towards Robot Square would get a bit complicated and needs more attention as there will be a curve here.

"This is the first curve along the long stretch of Metro and this is also one of the busiest roads of the city," said officials.

Officials added that the agency is trying to do the construction work without affecting the traffic flow. However, diversions would be done in the coming days when the construction work starts at the Square or near the signal. The work is expected to get completed in the coming weeks.

PATRIKA
29.09.2022
BHOPAL

मेट्रो रूट तैयार, फ्लाय ओवर के पिलर्स का काम तेजी से जारी

भोपाल. राजधानी में तेजी से विकास कार्य चल रहे हैं। बोर्ड ऑफिस से मैदा मिल तक मेट्रो के रूट का काम लगभग पूरा हो गया है। वहीं फ्लाय ओवर के पिलर्स बनाने का काम तेजी से चल रहा है। इससे यहां यातायात व्यवस्था में सुधार होगा। क्योंकि जिन्हें एमपी नगर में जाना होगा वे ही नीचे वाले रास्ते से आएंगे। जिन लोगों को सीधे निकलना होगा वे सावरकर सेतु से उतरकर गणेशमंदिर से ही इस फ्लाय ओवर पर चलते हुए सीधे मैदा मिल पर पहुंच जाएंगे। उन्हें किसी भी सिग्नल पर रूकने की जरूरत नहीं होगी।